भारत सरकार
गृह मंत्रालय
लोक सभा
अतारांकित प्रश्न संख्या 1458
दिनांक 09 दिसंबर, 2025 / 18 अग्रहायण, 1947 (शक) को उत्तर के लिए

राष्ट्रीय आपदा नियंत्रण कक्ष

1458. श्री दिलीप शइकीया:

क्या गृह मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) क्या सरकार ने राष्ट्रीय स्तर पर कोई आपदा नियंत्रण कक्ष स्थापित किया है; और

(ख) यदि हाँ, तो यह राज्यों से जानकारी एकत्रित करने के संदर्भ में किस प्रकार कार्यरत है और तत्संबंधी ब्यौरा क्या है;?

उत्तर

गृह मंत्रालय में राज्य मंत्री
(श्री नित्यानंद राय)

(क) से (ख): हाँ, गृह मंत्रालय ने आपातकालीन प्रतिक्रिया के लिए एकीकृत नियंत्रण कक्ष (आईसीआर-ईआर) स्थापित किया है जो कि अत्याधुनिक अवसंरचना, आपदा-प्रतिरोधी सुविधा है। आईसीआर-ईआर का उद्देश्य लगभग वास्तविक समय में सूचना प्राप्ति, रणनीतिक स्तर की निगरानी, स्थितिजन्य जागरूकता और तैयारी एवं प्रतिक्रिया गतिविधियों से संबंधित प्रभावी निर्णय लेने में सक्षम बनाना है। आईसीआर-ईआर को समर्थन देने वाली प्रमुख तकनीकी रीढ़ों में से एक राष्ट्रीय आपातकालीन प्रबंधन डेटाबेस (एनडीईएम), संस्करण 5.0 है। इसे भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन - राष्ट्रीय सुदूर संवेदन केंद्र (इसरो-एनआरएससी) ने विकसित किया है। यह प्लेटफ़ॉर्म विशेष रूप से भारत भर में प्राकृतिक आपदाओं के प्रबंधन में आईसीआर-ईआर की परिचालन आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए डिज़ाइन किया गया है। डेटा और आपदा-विशिष्ट जानकारी के रीयल-टाइम प्रसारण के लिए पूर्वानुमान लगाने वाले संगठनों की सेवाओं को एपीआई के माध्यम से एकीकृत किया गया है। इससे राहत और बचाव कार्यों, क्षति आकलन, आपदा जोखिम विश्लेषण आदि में मदद मिलेगी। आईसीआर-ईआर राज्यों/केंद्रीय एजेंसियों के साथ प्रतिक्रिया की निगरानी और समन्वय कर रहा है और 24×7 कार्यरत है।

लोक सभा अतारांकित प्रश्न संख्या 1458, दिनांक 09.12.2025

आईसीआर-ईआर का उद्घाटन 16 जून 2025 को माननीय केंद्रीय गृह मंत्री ने किया था।

आईसीआर-ईआर नवीनतम सूचना और संचार प्रौद्योगिकी (आईसीटी) के बुनियादी ढांचे से लैस है, जिसमें निगरानी के लिए बड़े प्रारूप वाली वीडियो वाल्स, एक फेल-सेफ संचार नेटवर्क और 24x7 संचालन का समर्थन करने के लिए विशेष प्रावधान शामिल है।

आईसीआर-ईआर में मुख्य नियंत्रण कक्ष के अलावा डाटा सर्वर, डाटाबेस विश्लेषण कक्ष और एक कॉल सेंटर ऑपरेशनल है जिसमें संचार हेतु प्राइमरी रेट इंटरफ़ेस लाइंस और हाई स्पीड इंटरनेट की सुविधा उपलब्ध है।

आईसीआर-ईआर से सभी राज्यों के राज्य आपातकालीन परिचालन केंद्र और आपदा प्रतिक्रिया एजेंसियों को जोड़ा गया है। अंतरराष्ट्रीय मानकों के अनुसार निर्मित इस कंट्रोल रूम का संचालन केंद्रीय सशस्त्र पुलिस बलों (सीएपीएफ) से चुने गए प्रशिक्षित अधिकारिओं एवं कार्मिको द्वारा किया जा रहा है । साथ ही तकनीकी सहायता के लिए भारतीय मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) , केंद्रीय जल आयोग (सीडब्ल्यूसी) और भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) के वैज्ञानिक भी कार्यरत हैं ।

आईसीआर-ईआर पूर्वानुमान एजेंसियो से प्राप्त एलर्ट का वैज्ञानिक विश्लेषण कर तुरंत सम्बंधित राज्यों को आने वाले खतरों के बारे में सूचित करता है । आपदा के हालातों में गृह मंत्रालय के वरिष्ठ आधिकारियों को इसकी तुरंत खबर दी जाती है और साथ ही एसडीआरएफ़,एवं अन्य एजेंसियो द्वारा किये जाने वाले बचाव कार्यों पर नज़र रखा जाता है । जरुरत पड़ने पर केंद्रीय सशस्त्र पुलिस बलों और भारतीय सेना के साथ भी समन्वय किया जाता है ।

*****